मंगलवार

32 साल से देहरादून का विश्वास

22 अक्टूबर 2024

- देहरादून
- वर्ष 32
- अंक 252
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

एक नजर

अध्यादेश! अध्यादेश और फिर अध्यादेश कब तक?

विशेष संवाददाता

देहरादून। निकाय चुनाव सर पर खड़े हैं और मलिन बस्तियों के नियमितिकरण का सवाल भी आज तक वहीं खड़ा है जहां 2016 में खड़ा था। भाजपा की प्रदेश सरकार द्वारा दो बार (2018 व 2021) अध्यादेश लाकर इसके समाधान का कोई प्रयास नहीं किए जाने से एक बार फिर अध्यादेश लाकर अगले 3 साल तक इस मामले को यथा स्थिति बनाए रखने के प्रयास किया जा रहे हैं। सरकार ने हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ अध्यादेश के जरिए इन मलिन बस्तियों के अस्तित्व की सुरक्षा का जो प्रयास 2018 में किया था उससे इन बस्तियों को कब तक बचाया जा सकता है यह पहला सवाल है। तथा दूसरा सवाल यह है कि अध्यादेश का दांव विफल रहता है तो फिर सरकार क्या करेगी? और इन मलिन बस्तियों का भविष्य क्या होगा?

मलिन बस्तियों के नियमितीकरण पर राजनीतिक घमासान जारी

इस मुद्दे पर सरकार द्वारा की गई हीला हवाली पर जहां विपक्ष कांग्रेस ने कड़े तेवर अपना रखे हैं और वह सरकार पर कई गंभीर आरोप लगा रही है वहीं अब भाजपा के कुछ नेता भी सरकार पर मलिन बस्तियों के नियमितीकरण का रास्ता निकालने का दबाव बना रहे हैं। सरकार अब नए सिरे से सर्वे करने की बात कह कर अध्यादेश लाने की तैयारी में है सवाल यह है कि अध्यादेश कुछ अपरिहार्य स्थितियों में कुछ महीनों के लिए ही लाये जाते हैं तीन-तीन साल के लिए नहीं। लेकिन सरकार अध्यादेश पर अध्यादेश लाकर इस मुद्दे को सिर्फ टाल रही है ऐसा लगता है कि वह इसका कोई हल चाहती ही नहीं है। और यही बात विपक्ष द्वारा राजनीतिक मुद्दा बना लिया गया है।2021 में लाये गए अध्यादेश की समय सीमा समाप्त हो चुकी है देखना होगा कि कल होने वाली कैबिनेट बैठक में सरकार क्या फिर अध्यादेश लाती है और लाती है तो उस पर हाई कोर्ट का और विपक्ष का रुख क्या रहता है। फिलहाल इस मुद्दे को लेकर भाजपा और कांग्रेस दोनों की ही नजरे उन आठ लाख मतदाताओं को अपनी ओर आकर्षित करने में लगी हुई है जो निकाय चुनावों में निर्णायक भूमिका निभाने वाले हैं।

डीएवी कॉलेज छात्रसंघ चुनाव को लेकर छात्र नेता चढ़ा टावर पर

संवाददाता

देहरादून। डीएवी कालेज में छात्र संघ चुनाव को लेकर संघर्षरत विभिन्न संगठनों ने एक साथ मिलकर छात्र संघर्ष समिति बना ली है। जिसके चलते एक छात्र नेता टावर पर चढ गया और उसके समर्थन में छात्र संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने वहीं धरना दिया। समाचार लिखे जाने तक वह छात्र टावर पर ही चढा रहा।

डीएवी कालेज में छात्र संघ चुनाव को लेकर छात्र संघर्ष समिति के पदाधिकारी प्रत्येक रोज छात्रों व शिक्षकों से सम्पर्क बनाये हुए हैं। गत दिवस छात्रों के विभिन्न गुटों ने एक साथ मिलकर कालेज बंद कराकर परिसर में ही धरना दिया था। आज एक छात्र हरीश जोशी कालेज के पास ही स्थित टावर के ऊपर चढ गया। छात्र के टावर पर चढने की सूचना मिलते ही दर्जनों की संख्या में छात्र नेता, छात्र व पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस ने टंकी पर चढने की कौशिश की तो उसने ऊपर चढने का रास्ता बंद कर रखा था। जिसके बाद वहां पर उसके समर्थन में छात्र धरने पर बैठ गये। टंकी पर चढे छात्र का कहना है कि जब तक कालेज प्रशासन छात्र संघ चुनाव की तिथि की घोषणा नहीं करता तब वह टावर पर ही चढ़ा रहेगा। पुलिस अधिकारियों ने उसको काफी समझाने का प्रयास किया लेकिन वह किसी की बात मानने को तैयार नहीं था।

इसी दौरान एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष हिमांशु रावत के नेतृत्व मे शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत के आवास का घेराव किया। इस पर हिमांशु रावत ने कहा कि प्रदेश सरकार की नीतियां छात्र एवं शिक्षक विरोधी हैं। इसलिए राज्य सरकार नहीं चाहती कि कोई छात्र संगठन अथवा छात्र नेता आगे आकर उनके लिए आवाज उठाये। राज्य सरकार अपनी दमनकारी नीति से महाविद्यालय में पढ रहे दूर-दराज के गरीब छात्रों की मांग को दबाने के लिए प्रदेश के महाविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव नहीं कराना चाहती है। उन्होंने कहा कि यदि राज्य सरकार जल्द छात्रसंघ चुनाव नही कराती है तो छात्र उग्र आंदोलन के लिए मजबूर होंगे जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी राज्य सरकार की होगी। देर सांय तक छात्र हरीश जोशी टंकी पर ही चढा रहा। इस दौरान उसको टंकी से उतराने के लिए जा रहे पुलिस कर्मियों से छात्रों की धक्का मुक्की भी हुई लेकिन छात्रों ने पुलिस को टंकी तक पहुंचने नहीं दिया।

दून वैली मेल

संपादकीय

कैसे बनेगा नशा मुक्त राज्य?

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी यूं तो अब तक न जाने कितनी बार ड्रग्स मुक्त प्रदेश बनाने की बात कह चुके हैं। लेकिन कल उन्होंने पुलिस स्मृति दिवस के मौके पर एक बार फिर 2025 तक देवभूमि को ड्रग्स मुक्त बनाने की बात कही है। लेकिन सवाल यह है कि क्या प्रदेश सरकार द्वारा इसके लिए कोई खास योजना बनाई गई है, सरकार के पास ऐसी कौन सी जादू की छड़ी है जिसे घुमाते ही प्रदेश से ड्रग्स तस्कर भाग खड़े होंगे और जितने भी नशेड़ी हैं वह तौबा कर लेंगे। 2024 की विदाई भी अब ज्यादा दूर नहीं है महज सवा दो महीने का समय ही शेष बचा है। अगर हम यह मान भी ले कि 2025 के अंत तक सीएम अपनी इस घोषणा को धरातल पर सच साबित कर देंगे तो उनके लिए और प्रदेशवासियों के लिए इससे बड़ी कोई दूसरी उपलब्धि नहीं हो सकती है। एक समय था जब 'उड़ता पंजाब' जैसी फिल्म के जरिए इस ड्रग्स की महामारी की तरफ लोगों का ध्यान खींचा गया था किंतु आज तो देश का हर एक हिस्सा ड्रग्स की आंधी में उड़ता हुआ दिखाई देता है। अभी हाल के ही दिनों में गुजरात में 12000 करोड़ की ड्रग्स की खेप पकड़े जाने का मामला प्रकाश में आया था। देश की राजधानी से लेकर तमाम मेट्रो सिटी ड्रग्स का केंद्र बन चुके हैं। अरबों-खरबों का अवैध ड्रग्स कारोबार व उसका नेटवर्क जो देश-विदेश तक फैला हुआ है उस पर नियंत्रण या लगाम लगाना कोई आसान काम नहीं है। एक उदाहरण के तौर पर अभी देहरादून के कैंट क्षेत्र से पुलिस को यह शिकायत मिली कि नाले के किनारे नशेड़ियों ने अपना एक अड्डा बना लिया है जहां बड़ी संख्या में नशेड़ी जमा रहते हैं पुलिस प्रशासन द्वारा मौके पर जाकर स्थिति का जायजा लिया गया तथा उधर जाने के रास्ते को बंद कर दिया गया लेकिन नशेड़ियों ने यहां बनाई गई दीवार व दरवाजे के साथ सीसीटीवी कैमरे तक तोड़ डाले गए। स्कूली छात्र-छात्राओं से लेकर कूड़ा कचरा बीनने वाले बच्चों और कॉलेज के हॉस्टलों तक ड्रग्स की सप्लाई को रोक पाना पुलिस प्रशासन के लिए अत्यंत ही गंभीर चुनौती है। प्रदेश भर में इन नशा तस्करों का एक मजबूत नेटवर्क सक्रिय है। मेडिकल स्टोर से लेकर तमाम झोलाछाप डॉक्टरों जो सिर्फ नाम मात्र के लिए अपने क्लीनिक खोले बैठे हैं इस ड्रग्स के सप्लायर बन बैठे हैं। सरकार से सहायता प्राप्त कर चलाये जाने वाले नशा मुक्ति केंद्रो को उनके संचालकों द्वारा अपनी कमाई का जरिया बनाया हुआ है तथा उनका नशा मुक्ति अभियान से कोई सरोकार नहीं है। नशा एक इतना बड़ा अभिशाप बन चुका है की 48 फीसदी अपराधों की पृष्ठभूमि में नशा ही अहम कारण के रूप में सामने आया है। हर 10 में से एक परिवार नशे के कारण कलह क्लेश का शिकार है परिवार टूट रहे हैं बिखर रहे हैं। भावी पीढ़ी बर्बाद हो रही है उनका करियर चौपट हो ही रहा है वही बड़ी संख्या में नशेड़ियों की मौत व आत्महत्याओं से भी परिवार समस्याओं से घिरे हुए हैं। सवाल यह है कि क्या धामी सरकार इस समस्या को इतनी गंभीरता से ले रही है कि 2025 तक राज्य को नशा मुक्त किया जा सकता है यह वास्तव में दिन में चांद तारे दिखाई देने जैसा ही लगता है लेकिन सरकार के पास ऐसी कोई योजना है तो समाज हित में उसे सबसे पहले अमल में लायें जाने की जरूरत है।

वर्ल्ड कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट में हुआ फ्रेशर पार्टी 2024 का भव्य आयोजन

कार्यालय संवाददाता

गुरुग्राम। शिक्षा के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना चुके वर्ल्ड कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, फरुखनगर, गुरुग्राम के प्रांगण में फ्रेशर पार्टी 2024 का आयोजन बेहद मौज-मस्ती से भरा रहा।

वर्ल्ड कॉलेज के रजिस्ट्रार युद्धवीर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि फ्रेशर पार्टी 2024 में बॉलीवुड के लोकप्रिय व संगीत की दुनिया के जाने-माने डीजे सुकेतु ने धमाल मचा दिया और अपने जोशीले गानों से डीजे सुकेतु ने सभी को थिरकने पर मजबूर कर दिया।

इस अवसर पर इंजीनियरिंग, बिजनेस एडमिंस्ट्रेशन और कंप्यूटर एप्लीकेशन के नए बैच के छात्रों ने अत्यंत खूबसूरत रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस अवसर पर नए छात्रों द्वारा रैंप वॉक का प्रदर्शन किया गया, इसमें चुने गए विद्यार्थियों को अपना टैलेंट दिखाने का अवसर भी मिला, जिनके प्रदर्शन को देखकर सभी अध्यापक व विद्यार्थी मंत्रमुग्ध हो गए।

बी.टेक में सिद्धार्थ और याशी को क्रमश मिस्टर डब्ल्यूसीटीएम बी.टेक और मिस डब्ल्यूसीटीएम बी.टेक के खिताब से नवाजा गया। सृष्टि (एमसीए) व तपन (एमसीए) को क्रमश मिस और मिस्टर हॉस्टल का खिताब के लिए चुना गया। हर्ष बीबीए को मिस्टर टैलेंटेड व अनुष्का बी.टेक को मिस टैलेंटेड खिताब के लिए चुना गया। बिजनेस एडमिंस्ट्रेशन डिपार्टमेंट के छात्रों में कृष्ण को मिस्टर मैनेजमेंट और स्नेहा को मिस मैनेजमेंट के शीर्षको से सम्मानित किया गया। प्रीति व जयंत को क्रमश मिस और मिस्टर डब्ल्यूसीटीएम कंप्यूटर एप्लीकेशन के लिए चुना गया। यश (एमबीए) को मिस्टर डब्ल्यूसीटीएम सुपरस्टार और कुमकुम (बीबीए) को मिस डब्ल्यूसीटीएम सुपरस्टार के लिए चुना गया। सुमित भगत (बी.टेक) को मिस्टर डब्ल्यूसीटीएम और निशिका(बीबीए) को मिस डब्ल्यूसीटीएम के लिए चुना गया।

वर्ल्ड कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट के मैनेजिंग ट्रस्टी कुंवर निशांत सिंह जी ने नए बैच के सभी एम.सी.ए, एम.बी.ए, एम.टेक, बी.टेक, बी.बी.ए, बी.सी.ए और डिप्लोमा के छात्र-छात्राओं को अपनी शुभकामनाएं व भविष्य में सफलता के लिए आशीर्वाद दिया और छात्रों को पूर्ण मनोयोग, लगन, निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर डॉ. अजय कुमार डागर (प्राचार्य), डॉ. क्षमता चुघ, (डायरेक्टर एडमिशन), मोनिका सैनी, विभागाध्यक्ष (कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग), अंकित सेठी, विभागाध्यक्ष (सिविल इंजीनियरिंग), रणजीत सिंह विभागाध्यक्ष (मैकेनिकल इंजीनियरिंग), श्रद्धा चौरसिया, असिस्टेंट डायरेक्टर ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट आदि उपस्थित थे।

श्री कालिका माता मंदिर समिति में साप्ताहिक अनुष्ठान आरंभ

संवाददाता

देहरादून। भवन श्री कालिका माता मंदिर समिति में 27 अक्टूबर तक साप्ताहिक अनुष्ठान आरंभ हो गया।

आज यहां भवन श्री कालिका माता समिति में 27 अक्टूबर तक साप्ताहिक अनुष्ठान आरंभ हो गए। जिसके अंतर्गत श्री दुर्गा सप्तशती का पाठ एवं रुद्री पाठ और रुद्राभिषेक किया गया. सर्वप्रथम मंदिर के वरिष्ठ पुजारी अचार्य चंद्र प्रकाश ममगई के नेतृत्व में पूजन प्रारंभ हुआ सर्वप्रथम लक्ष्मी पूजन गणेश पूजन नवग्रह पूजन अनेक देवताओं को आमंत्रित कर

उनका पूजन किया गया। उत्तराखंड के कर्मकांडी 11 ब्राह्मणों द्वारा दुर्गा सप्तशती का पाठ प्रारंभ हुआ तत्पश्चात ब्राह्मणों द्वारा दुर्गा जी के अनेक मंत्रो व भगवान शंकर के अनेक मंत्रो द्वारा जब किया गया। तत्पश्चात दोपहर दो बजे से भगवान शंकर का रुद्राभिषेक उत्तराखंड के 11 ब्राह्मणों द्वारा मुखारविंद द्वारा पाठ कर मंदिर के ट्रस्टी गगन सेठी द्वारा किया गया। मंदिर समिति के प्रचार मंत्री संजय आनंद ने बताया यह कार्यक्रम दैनिक एक सप्ताह तक चलेगा। 27 अक्टूबर को मंदिर में एक विशाल यज्ञ का आयोजन किया गया है जिसमें श्री दुर्गा हवन श्री रुद्री का रुद्री हवन वी विष्णु सहस्त्रनाम व गीता जी की आहुतियां दी जाएगी। मंदिर द्वारा विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया है। इस अवसर पर मंदिर समिति के ट्रस्टी गगन सेठी, रमेश साहनी, अशोक लंबा, रामस्वरूप भाटिया, सतीश मेहता, जतिन डोरा व अपार भक्त समाज उपस्थित थे।

सड़क निर्माण, पेंशन बढ़ोतरी को लेकर मोर्चा ने सीएम से लगाई गुहार

संवाददाता

देहरादून। जन संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने सडक निर्माण व पेंशन बढोतरी की मांग को लेकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा। आज यहां जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात कर नवाबगढ़ स्थित नंबर एक पुल से खादर तक सड़क निर्माण एवं वृद्ध, विकलांग एवं विधवाओं की पेंशन में बढ़ोतरी को लेकर ज्ञापन सौंपा। मुख्यमंत्री ने संबंधित को कार्यवाही के निर्देश दिए। नेगी ने कहा कि विकासनगर विधानसभा क्षेत्रांतर्गत ग्राम नवाबगढ़ के नंबर एक पुल (जौनसारी बस्ती) से लेकर खादर तक सड़क बिल्कुल ध्वस्त हो चुकी है तथा बरसात के दिनों में पैदल तक चलना मुश्किल हो गया था। उक्त के चलते लोगों का जीना दुभर हो गया था। नेगी ने कहा कि उक्त के अतिरिक्त प्रदेश के वृद्धजनों ,विकलांगजनों एवं विधवाओं की मासिक पेंशन मात्र 1500 है, जो कि आज के दौर में बहुत कम है। उक्त में वृद्धि की जानी बहुत जरूरी है, जिससे ये लोग स्वाभिमान के साथ जिंदगी गुजर बसर कर सकें।

25 अक्टूबर को जयकोट की जनता से मांगूगा माफी: मर्तोलिया

संवाददाता

पिथौरागढ़। जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने कहा कि वह जयकोट की जनता से किया वादा पूरा नही कर पाये इस लिए 25 अक्टूबर को वह गांव में पहुंच ग्रामीणो से सार्वजनिक मांफी मांगेगे।

ऐसा अक्सर फिल्मों के सीनों में होता है, जब कोई नेता जनता से माफी मांगने जाता है, लेकिन यहां हकीकत में हो रहा है। जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया 25 अक्टूबर को धारचूला के ग्राम पंचायत जयकोट जाकर वहां की जनता से सार्वजनिक रूप से माफी मांगेंगे। साथ ही ग्राम पंचायत की समस्याओं को लेकर आंदोलन की रणनीति भी बनाएंगे। जनता द्वारा माफ नहीं करने के सवाल पर कहा कि वह हर बार माफी मांगते रहेंगे, जनता माफ करें या ना करें। जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने बताया कि विधानसभा चुनाव 2022 में एक प्रत्याशी के अनुरोध पर वोट मांगने के लिए वह ग्राम पंचायत

जयकोट गए थे।

ग्राम पंचायत जयकोट में चुनाव के लिए वर्तमान विधायक हरीश धामी प्रचार के लिए नहीं जा पाए थे। उनके अनुरोध पर वह इस गांव में उनके लिए वोट मांगने गए और इस क्षेत्र की जनता ने पहली बार उन्हें 100 का आंकड़ा पार करते हुए अपना मत दिया। प्रचार के दौरान जयकोट के ग्रामीणों ने बिजली के झूल रहे खंभे बदलने, मोटर मार्ग को दुरुस्त करने, स्वरोजगार के लिए गुलाब की नर्सरी बनाने सहित कई मांगों पर चुनाव के बाद सहयोग करने का आश्वासन मांगा था। उन्होंने बताया कि चुनाव जीतने के ढाई वर्ष के बाद भी वर्तमान विधायक हरीश धामी इस गांव की जनता को मिलने तक नहीं गए है। उन्होंने बताया कि जनता की मांग पर उन्होंने चुनाव जीतने के बाद इस गांव में विधायक के आने का आश्वासन भी दिया था। वह उनके इस वर्षो के प्यार के साथ छल नहीं कर सकते है। उन्होंने बताया कि 25 अक्टूबर को ग्राम पंचायत जयकोट के दो स्थानों पर ग्रामीणों की बैठक बुलाई गई है। उस बैठक में वे सार्वजनिक रूप से हाथ जोड़कर जनता से माफी मांगने के लिए जयकोट जा रहे है। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान जो समस्याएं उनके सम्मुख रखी गई थी, उसके समाधान के लिए ग्रामीणों के सहयोग से आंदोलन कर इन मांगों को पूर्ण करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि विकास खंड मुनस्यारी तथा धारचूला की जनता उनसे बेहद प्यार करती है, इसलिए वे जनता की नजरों में झूठा साबित नहीं होना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि जनता से माफी मांगने पर उन्हें गर्व का एहसास हो रहा है।

गर्भावस्था में रखें आहार का ख्याल

गर्भावस्था ऐसा समय है जब मां को अच्छे पोशण की जरूरत होती है। इस दौरान सही पोशण बच्चे के विकास और मां के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए जरूरी है। माताओं को ध्यान रखना चाहिए कि उनके पोशण में विटामिन और मिनरल्स की कमी न हो। गर्भावस्था के दौरान सही डायट चार्ट बनाना और उसका पालन करना जरूरी है।

गर्भावस्था के दौरान आप जो भी आहार लेती हैं, उससे न केवल आपके शरीर को पोशण मिलता है, बल्कि आपके पेट में पल रहे बच्चे का भी विकास होता है। हर दिन के साथ आपकी जरूरत बढ़ती जाती है।

आपको हर प्रकार का भोजन अपने आहार में शामिल करना चाहिए। इससे आपके लिए यह ध्यान में रखना आसान हो जाता है कि आप क्या खा रही हैं। भोजन में तभी जरुरी विटामिन संतुलित मात्रा में शामिल हों। जंक फूड के सेवन से बचें क्योंकि इससे बेवजह आपका वजन बढ़ेगा और पोशक पदार्थों की कमी होगी।

आमतौर पर हमारे देश में गर्भावस्था के दौरान ऐसा खाना खाने की सलाह दी जाती है, जो बहुत सारे घी में बना हो हालांकि इस तरह के आहार के अपने फायदे हैं, लेकिन इसका सेवन सीमित मात्रा में ही करना चाहिए। नहीं तो वजन तेजी से बढ़ता है और बच्चे के जन्म के बाद वजन कम करना बहुत मुश्किल हो जाता है। इस दौरान सक्रिय रहें और सेहतमंद आहार लें।आपके आहार में सभी समूहों के पोशक पदार्थ शामिल होने चाहिए जैसे काबोहाइड्रेट, प्रोटीन, विटामिन व मिनरल्स और डेयरी उत्पाद।

गर्भावस्था के दौरान कई महिलाओं को बहुत ज्यादा भूख लगती है और ज्यादातर महिलाएं भूख लगने पर जंक फूड और अस्वास्थ्यप्रद आहार खाना चाहती हैं। ऐसे भोजन में काबोहाइड्रेटध् वसा तो भरपूर मात्रा में होते हैं लेकिन पोशक पदार्थो की कमी होती है। ऐसे में अपने आहार पर ध्यान देना जरूरी है।

इसी तरह अगर आपको कोई भोजन अच्छा नहीं लग रहा, जो आपकी सेहत और बच्चे के विकास के लिए जरूरी है तो अपने डायटीशियन से बात कर इसका कोई विकल्प लें ताकि आपकी पोशण संबंधी सभी जरूरतें पूरी हो सकें।

दिन में दो से तीन बार भरपेट खाने के बजाए कम मात्रा में बार-बार खाएं। इससे पाचन की समस्या भी नहीं होगी। इसके अलावा नियमित रूप से थोड़ा बहुत व्यायाम करें, जिससे शरीर में हॉर्मोनों का संतुलन बना रहेगा और आप गर्भावस्था के दौरान फिट और तरोताजा बनी रहेंगी।

शादी की हर रस्म में ऐसे लगेंगी खास

शादी में दुल्हन ही सबके आर्काण का केंद्र होती है और ऐसे में उसका खास नजर आना बहुत जरूरी होता है। शादी के दिन के लिए तो हर लड़की कुछ खास तैयारी करती है लेकिन शादी के दौरान कई ऐसी रस्में निभाई जाती हैं जिन पर दुल्हन को कुछ खास, कुछ अलग नजर आना चाहिए। अगर आप भी दुल्हन बनने वाली हैं और शादी के अलग-अलग मौकों पर अपने लुक को लेकर अब भी कुछ तय नहीं कर पाई हैं तो अपनायें ये टिप्स।

हल्दी का रंग हो खास

हल्दी की रस्म शादी की सबसे जरूरी और रंगीन रस्मों में से एक है। इस मौके पर आप चाहें तो हल्के मिरर वर्क वाली साड़ी पहन सकती हैं। साड़ी का रंग हल्का पीला या गुलाबी हो तो ज्यादा बेहतर होगा। ऐसी साड़ी के साथ मल्टी-कलर ब्लाउज कैरी करें। बालों को कर्ली लुक या स्ट्रेट लुक दे सकती हैं।

मेहंदी की रस्म

अनारकली कुर्ते और सूट अभी फैशन में हैं और आप चाहें तो मेहंदी की रस्म के मौके पर स्लीवलेस अनारकली कुर्ते के साथ एथनिक लॉन्ग स्कर्ट पहन सकती हैं। इसके अलावा पटियाला और शेरवानी पैटर्न के साथ प्लाजो या शरारा भी चलन में है।मेकअप हल्का ही रखें।

संगीत

संगीत के अवसर पर आप साड़ी, गाउन या फिर कुछ फ्यूजन ड्रेस चुन सकती हैं। यह दिन खुलकर एंजॉय करने का है ऐसे में आप इस दिन फैशन के साथ ही कंफर्ट का भी पूरा ध्यान रखें।

शादी की रात है सबसे खास

आज के दिन किसी भी प्रयोग और नए लुक को ट्राई करने से बचें। लहंगे की बात करें तो ए लाइन और फिश कट लहंगा फिर से चलन में है। आप चाहें तो पारंपरिक घेरदार लहंगा भी पहन सकती हैं। यह कभी आउट ऑफफैशन नहीं होता। मेकअप अगर वॉटरप्रूफहो तो ज्यादा अच्छा रहेगा क्योंकि यह बहुत हल्का होता है और इससे चेहरे का ग्लो बढ़ जाता है।

रिसेप्शन पार्टी

शादी के बाद रिसेप्शन पार्टी में भी खास नजर आना जरूरी है। इस दिन के लिए एथनिक इवनिंग गाउन या फिर पार्टी-वियर फुल लेंथ ड्रेस भी पहनी जा सकती है। आप लहंगा साड़ी और सूट गॉउन का चुनाव भी कर सकती हैं। मेकअप में आप अरेबिक मेकअप ट्राई कर सकती हैं।

वर्चुअल सम्मेलन में की एआई के फायदे, नुकसान, जोखिम, नैतिक चिंताएं सहित अन्य विषय पर चर्चा

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से भावनात्मक कल्याण पर 5वां वर्चुअल अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण स्पीकिंगक्यूब ऑनलाइन मानसिक स्वास्थ्य परामर्श फाउंडेशन द्वारा उत्तरांचल विश्वविद्यालय, देहरादून के सहयोग से आयोजित किया गया। सत्र की शुरुआत स्पीकिंगक्यूब की एचआर स्नेहा भारद्वाज ने की।

सुश्री स्नेहा ने सम्मेलन के दूसरे दिन अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। सत्र की शुरुआत एक्स मेटा की डेटा इंजीनियर और डेटा साइंटिस्ट शिखा चमोली सिन्हा ने की। श्रीमती शिखा ने एआई के मौजूदा रुझानों जैसे फायदे, नुकसान, जोखिम, नैतिक चिंताएं और कई अन्य बातों पर चर्चा की। प्रो. डॉ. राजेश सिंह, सम्मेलन के अध्यक्ष। डॉ. राजेश ने एआई और इनोवेशन पर चर्चा की, इस बात पर ध्यान केंद्रित किया कि कैसे एआई मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए नए समाधानों को प्रेरित कर सकता है। प्रो. डॉ. रूपाली शर्मा एआईपीएस, एमिटी यूनिवर्सिटी नोएडा में वरिष्ठ प्रोफेसर हैं। डॉ. रूपाली ने शोध और शिक्षा में एआई के लाभों पर प्रकाश डाला।

प्रोफेसर, डॉ. श्रीराम पांडे, एसोसिएट प्रोफेसर, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग के प्रमुख, सीएचयू ने शोध में साहित्य की समीक्षा के लिए विभिन्न उपकरणों पर चर्चा की। उन्होंने शोध के लिए विभिन्न एआई उपकरणों का डेमो देकर सभा को प्रबुद्ध किया। प्रोफेसर डॉ. शालिनी शर्मा, सलाहकार सम्मेलन, मुख्य वक्ता, वरिष्ठ फेलो और म्ळत्ॅ फाउंडेशन में बैंकिंग अनुसंधान प्रमुख ने वर्तमान दुनिया के लिए अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान और एआई को एकीकृत करने की आवश्यकता पर चर्चा की। डॉ. रोहित कुमार, गेस्ट ऑफ ऑनर कमांडेंट बीएसएफ ने टीम की सराहना की और दैनिक जीवन में एआई के उपयोग पर चर्चा की।

डॉ. बृज मोहन शर्मा, गेस्ट ऑफ ऑनर, संस्थापक और निदेशक, स्पेक्स एनजीओ, देहरादून ने मानव जाति के लाभ के लिए एक साथ काम करने की आवश्यकता पर चर्चा की। उन्होंने इस आयोजन को सफल बनाने में उनकी अविश्वसनीय कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए सम्मेलन की रचनात्मक टीम को बधाई दी। सम्मान प्रमाण पत्र सुश्री स्नेहा भारद्वाज, सुश्री काजल तोमर, सुश्री अपर्णा वर्मा, सुश्री एलिस जायसवाल और श्री जसमन शेर सिंह ने प्राप्त किया।

प्रोफेसर डॉ. रीता कुमार, सम्मेलन अध्यक्ष, सलाहकार स्पीकिंगक्यूब, प्रोफेसर एआईपीएस एमिटी यूनिवर्सिटी नोएडा ने उनके प्रयासों और समर्पण के लिए सभा की सराहना की। डॉ. रीता ने प्रतिभागियों को नवाचार और शोध के लिए प्रेरित किया। सम्मेलन की आयोजक और स्पीकिंगयूसीबी की संस्थापक और निदेशक प्रोफेसर डॉ. दीपिका चमोली शाही ने तकनीकी दुनिया के प्रभाव और दैनिक व्यवहार में एआई को शामिल करने की आवश्यकता पर चर्चा की। डॉ. दीपिका ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया।

फ्री वेबिनार मशरूम परिवार के माध्यम से दी जा रही मुनाफा की गारंटी: रावत

संवाददाता

देहरादून। मशरूम ब्रैंड एंबेसडर दिव्या रावत ने फ्री वेबिनार मशरूम परिवार के माध्यम से सौ प्रतिशत मुनाफा की गारंटी दी जा रही है।

आज यहां मशरूम के क्षेत्र में कार्य कर रही और स्वरोजगार को बढ़ावा दे रही मशरूम ब्रैंड एंबेसडर दिव्या रावत ने फ्री वेबिनार मशरूम परिवार के माध्यम से तकनीकी जानकारी दी गई। दिव्या रावत ने कहा कि वेबिनार का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है जिसमें काफी संख्या में उत्तराखंड एवं अन्य प्रदेशों के लोग जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब मैने

मशरूम उत्पादन को और सरल कर दिया। मेरे द्वारा मशरूम उत्पादन की सारी प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद मशरूम बेग तैयार किए जा रहे हैं। जिससे मशरूम उत्पादक को केवल ग्रो रुम में और पैंतालिस दिनों में मशरूम तैयार रखा होगा। उन्होंने कहा कि मात्र आठ हजार जिसमें सौ बैग आते हैं से सोलह से बीस हजार का मुनाफा होगा। जिसमें मशरूम की ओएस्टर शिटाके लायन मेन एनौकी एवं गेनोडर्मा मुख्य है। उन्होंने कहा कि ये मशरूम उत्पादन एवं स्वरोजगार की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि मशरूम के क्षेत्र में नित नए प्रयोग से मशरूम उत्पादन को काफी आसान बना दिया गया है जिसके माध्यम मशरूम परिवार में अधिक से अधिक संख्या में लोगों को जोड़कर सहकारिता का रूप दिया जा सके जिसके लिए कार्य जारी है और शीघ्र अमलीजामा पहनाया जाएगा।

नवीन जोशी ने करायी वार्ड नंबर 78 की सफाई व्यवस्था

संवाददाता

देहरादून। जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान कांग्रेसी नेता नवीन जोशी ने वार्ड 78 में लोगों की समस्याएं सुनकर सफाई व्यवस्था करायी।

आज यहां प्रदेश कांग्रेस के महामन्त्री व पूर्व राज्यमन्त्री नवीन जोशी द्वारा चलाये जा रहे जनसंवाद से जनसमर्थन कार्यक्रम के तहत आज वार्ड नंम्बर 78 आजाद नगर के क्षेत्रवासीयो ने आजाद नगर के भ्रमण पर पहुँचे नवीन जोशी को अपनी वार्ड की समस्याओं से अवगत कराते हुए बताया कि यहां पर सफाई व्यवस्था व कुडा उठान की व्यवस्था काफी खराब है नालिया चौक है कर्मचारी कार्य नहीं करते और समस्त क्षेत्र का बुरा हाल है। यह सुनकर जोशी ने नगर निगम के अधिकारियों को तुरंत फोन लगाया और

क्षेत्र की स्तिथि से अवगत कराते हुए उसे अविलम्ब दुरस्त करने की मांग की। जोशी के फोन का असर तुरंत देखने को मिला नगर निगम के कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंचे व सफाई व्यवस्था को दुरस्त करने में जुट गये।

जोशी ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर किसी भी क्षेत्र में सफाई व्यवस्था में कोताही बरती गयी तो इसके गम्भीर परिणाम होगे। आज नगर निगम बोर्ड भंग होने के कारण आमजन को समस्याओं को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि कॉंग्रेस का देहरादून में मेयर बनने पर समस्याओं को अविलंब दूर किया जायेगा।

क्या चॉकलेट खाने हो जाते हैं मुंहासे ? स्किन स्पेशलिस्ट ने बताई हकीकत

चॉकलेट देखकर किसका मन नहीं ललचाता है। बच्चे हो या बड़े हर किसी की यह फेवरेट होती है, लेकिन कुछ रिसर्च में दावा किया जा रहा है कि चॉकलेट खाने से चेहरे पर कील-मुहांसें और पिंपल्स निकलते हैं। आमतौर पर यही सुनने को मिलता है कि ज्यादा ऑयली खाने से कील-मुंहासों की समस्या होती है लेकिन चॉकलेट इसका कारण बन सकता है यह शायद ही किसी ने सोचा होगा। आइए लंदन के स्किन स्पेशलिस्ट से जानते हैं क्या है इसकी हकीकत।।।

क्या चॉकलेट से मुंहासे निकलते हैं

196० के दशक में, चॉकलेट और मुंहासे के बीच संबंध का पता लगाने के लिए कई स्टडी की गई। अब तक किए गए सबसे बड़ी स्टडी में सिर्फ 65 लोगों को ही शामिल किया गया। जिसमें पाया गया कि मुंहासों और चॉकलेट के बीच कोई कनेक्शन नहीं है। हालांकि, इस स्टडी की काफी आलोचना भी की गई।

चेहरे पर मुंहासों के लिए चॉकलेट को जिम्मेदार नहीं कहा जा सकता है लेकिन हम जो कुछ भी खाते-पीते हैं, उसका असर इस पर जरूर पड़ता है। फैट, ऑयल, शुगर और डेयरी प्रोडक्ट्स से भरपूर चीजें इस तरह की समस्याओं को बढ़ा सकते हैं।

टीनएज में चेहरे पर मुंहासे होने या उनके ठीक न होने का कारण अक्सर जेनेटिक होता है। दरअसल हमारी त्वचा में तेल पैदा करने वाली ग्रंथियों की साइज हमारे आनुवंशिकी पर निर्भर करता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, हाल ही में खासकर महिलाओं में चेहरे पर मुंहासों की शिकायतें बढ़ी हैं, हालांकि, इसका कोई खास कारण सामने नहीं आया है। उन्होंने कहा कि हम जिस तरह की लाइफस्टाइल फॉलो कर रहे हैं, वह हमारे शरीर के लिए अच्छी नहीं है, शायद मुंहासे होने का कारण भी यही है।

एक रिपोर्ट के अनुसार स्टडी में पाया कि चॉकलेट खाने से 5 से अधिक पिपल्स हो सकते हैं। भले ही 5 पिपल्स कम लगे लेकिन इनके फटने के बाद इनकी संख्या बढ़ सकती है। डॉ ग्रेगोरी का कहना है कि जिन लोगों का चेहरा साफ है, अगर वे चॉकलेट ज्यादा खाने लगे तो उन्हें भी पिंपल्ल हो सकते हैं। डॉ। ग्रेगोरी का कहना है कि चॉकलेट मुंहासों को बद से बदतर बना सकती है।

क्या डार्क चॉकलेट से खराब हो सकता है चेहरा

स्टडी में दावा किया गया है कि चॉकलेट कील-मुंहासों का एकमात्र कारण नहीं हो सकता है। इसके लिए कई फैक्टर्स जिम्मेदार हैं। इसमें खानपान, जीन, वातावरण जैसे कई कारण हैं। हालांकि डॉ। अस्वानोदा का कहना है कि उनकी स्टडी में डार्क चॉकलेट खाना घावों की संख्या के मामले में मुंहासे को बढ़ा सकता है।

कील-मुंहासों से कैसे बच सकते हैं

किंग्स कॉलेज लंदन के डॉ। डोव हार्पर का कहना है कि टउच्च कैलोरी, कम पोषक तत्व वाले फूड्स से शरीर में सूजन हो सकती है, लेकिन मुंहासे केवल उन लोगों में होंगे जिनकी जीन में समस्या है। उन्होंने कहा कि जिस तरह फलों और सब्जियों जैसे फूड्स शरीर के बाकी हिस्सों के लिए अच्छा है, ठीक उसी तरह यह स्किन के लिए भी फायदेमंद है। हमारे शरीर के सभी अंग एक-दूसरे की मदद से काम करते हैं, जो चीजें आपके दिल, पेट और दिमाग के लिए अच्छी हैं, वे आपकी त्वचा के लिए भी अच्छी होती हैं।(आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

जुकाम होने पर आपको भी नहीं देता सुनाई ?

सुनना एक ऐसा कौशल है जिसे हममें से ज़्यादातर लोग हल्के में लेते हैं। लेकिन शोध बताते हैं कि वयस्कों को अपनी सुनने की क्षमता में होने वाले बदलावों पर ध्यान देना चाहिए। क्योंकि सुनने की समस्याएं बड़ी उम्र में डिमेंशिया विकसित होने से जुड़ी हो सकती हैं। 6० साल से अधिक उम्र के 8०,००० से अधिक वयस्कों पर साल 2०21 में किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि शोरगुल वाले वातावरण में भाषण सुनने में परेशानी वाले लोगों में डिमेंशिया का जोखिम अधिक था। जोकि मेमोरी लॉस और भाषा और अन्य सोच कौशल में कठिनाई की विशेषता वाली स्थितियों के लिए एक व्यापक शब्द है। लेकिन इसका एक सकारात्मक पहलू भी है।

अध्ययन ने इस बात के सबूत जोड़े कि सुनने की समस्याएं न केवल डिमेंशिया का लक्षण हो सकती हैं, बल्कि वास्तव में डिमेंशिया का एक जोखिम कारक हो सकती हैं। जो किसी भी गिरावट के शुरू होने से पहले लोगों, उनके परिवारों या डॉक्टरों को इसके शुरू होने के बारे में सचेत कर सकती हैं। जुलाई साल 2०21 में ऑक्सफ़ोर्ड विश्वविद्यालय के महामारी विज्ञानी और अध्ययन लेखक थॉमस लिटिलजॉन्स ने कहा,श्रवण हानि और क्या इससे डिमेंशिया का जोखिम बढ़ सकता है, इस बारे में विशेष रुचि रही है। ये परिणाम बताते हैं कि शोर में भाषण सुनने की हानि डिमेंशिया की रोकथाम के लिए एक आशाजनक लक्ष्य हो सकती है।

2०17 में, धूम्रपान और शारीरिक निष्क्रियता के साथ श्रवण हानि को डिमेंशिया के नौ प्रमुख, परिवर्तनीय जोखिम कारकों में से एक के रूप में सूचीबद्ध किया गया था। लैंसेट की उस ऐतिहासिक रिपोर्ट को 2०2० में जल्द ही अपडेट कर दिया गया था। जिसमें तीन और जोखिम कारक शामिल किए गए, जिससे कुल जोखिम कारक 12 हो गए 2०24 में, लैंसेट रिपोर्ट के तीसरे अपडेट में दो और जोड़े गए, जिससे कुल जोखिम कारक 14 हो गए।ये जोखिम कारक हमारी जीवनशैली और सामान्य स्वास्थ्य के ऐसे तत्व हैं जिन्हें सुधारा जा सकता है, और अगर ऐसा किया जाता है, तो यह हमारे समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा दे सकता है और स्वास्थ्य स्थितियों की संभावना को कम कर सकता है।

इसकी जांच करने के लिए, इस

अध्ययन के पीछे ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने यूके बायोबैंक का सहारा लिया, जो एक शोध डेटाबेस है जो यूके की आबादी के एक बड़े हिस्से में आनुवंशिकी, पर्यावरणीय कारकों और स्वास्थ्य परिणामों के बीच संबंधों को जानने के लिए स्थापित किया गया है। 6० वर्ष या उससे अधिक आयु के 82,००० से अधिक महिलाओं और पुरुषों के समूह के लिए मनोभ्रंश जोखिम का विश्लेषण किया गया, जो मनोभ्रंश से मुक्त थे और अध्ययन की शुरुआत में उनकी सुनने की क्षमता का मूल्यांकन किया गया था।

लैंसेट की रिपोर्टों में यह अनुमान लगाया गया है कि मनोभ्रंश के जोखिम कारकों में, श्रवण हानि का बोझ सबसे अधिक हो सकता है - इस प्रकार कि मध्य आयु में श्रवण हानि से पीड़ित लोगों में मनोभ्रंश विकसित होने की संभावना पांच गुना अधिक होती है। प्रतिभागियों की वाणी-में-शोर सुनने की क्षमता का परीक्षण किया गया। जो शोर भरे वातावरण में भाषण के अंशों को पहचानने की क्षमता है - इस मामले में, सफेद पृष्ठभूमि शोर के विरुद्ध बोले गए अंकों को पहचानना।

लगभग 11 साल के बाद, स्वास्थ्य रिकॉर्ड के आधार पर 1,285 प्रतिभागियों में मनोभ्रंश विकसित हो गया था। जिन प्रतिभागियों की सुनने की क्षमता खराब थी, उनमें अच्छी सुनने की क्षमता वाले लोगों की तुलना में मनोभ्रंश विकसित होने का जोखिम लगभग दोगुना था। दिलचस्प बात यह है कि अध्ययन में शामिल लगभग आधे लोग जिनकी वाणी-में-शोर सुनने की क्षमता अपर्याप्त थी और लगभग 42 प्रतिशत जिन्होंने परीक्षण में खराब प्रदर्शन किया, उन्हें रिपोर्ट करने के लिए कहने पर सुनने में कोई कमी महसूस नहीं हुई।

शोधकर्ताओं ने यह भी विचार किया कि क्या लोगों की सुनने की क्षमता में कमी वास्तव में अन्य कारकों से जुड़ी हुई थी, जो मनोभ्रंश के जोखिम को प्रभावित करने के लिए जाने जाते हैं, जैसे कि सामाजिक अलगाव और अवसाद, जो दोनों ही तब हो सकते हैं जब लोगों को सुनने में परेशानी होती है। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -104

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. संबंध, लगाव, नाता, काम 2. सिसकने की आवाज, सीत्कार 4. आग की ज्वाला, दहक 5. दियासलाई 7. प्रतिकार, प्रतिशोध 8. बाबुल की दुआएं लेती जा... गीतवाली बलराज साहनी, मनोजकुमार, राजकुमार, वहीदा की फिल्म 11. करतल ध्वनि 13. आपसी व्यवहार का संबंध, वास्ता 15. वचन, जीभ 16. रोगियों को स्वस्थ और मृतकों को जीवित कर देने वाला 17. एक सुंदर फूलदार वृक्ष 19. पत्नी, बीवी 20. मसालेदार सुगंधित सुरती।

ऊपर से नीचे

1. उचित, उपयुक्त, जायज 2. किवाड़ को अंदर से बंद करने लगा छड़, चटखनी 3. मांस के अत्यंत छोटे टुकड़े 4. माथा, मस्तक 6. कटोरी के आकार का नलीदार पात्र जिसमें तंबाकू रखकर पीते हैं 9. रेखा 10. खून से लथपथ 11. छिपकर बुरी नजर से ताकने की क्रिया, रह रहकर ताकने की क्रिया 12. व्यापार, धंधा 13. शृंगार करना, साजन 14. श्रवणइंद्रीय 16. सीमा, हद 18. चमड़ा, चाम 19. बोझ, दबाव।

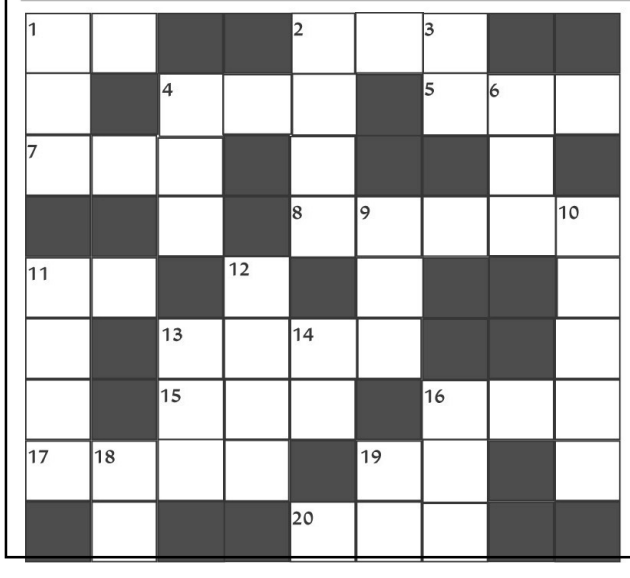

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 103 का हल

मै	दा	न		स	र	ग	म	
त्री		सी			क्षा		धु	र्ग
	सा	ह	स				र	
स्वा	ग	त		स	म	झौ	ता	
व	र			र				म
लं		वि	ला	स			दा	म
बी	न		ज		सा	मा	न	ता
	ज		वा	हि	या	त		
त	र	की	ब		ना		खा	ली

बघीरा 31 अक्टूबर को सिनेमाघरों में धमाल मचाएगी

होम्बले फिल्म्स अपने आगामी फिल्म बघीरा के साथ सिनेमाघरों में धमाल मचाने के लिए तैयार है। मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट का एलान किया है। एक्शन से भरपूर फिल्म इसी साल अक्टूबर में रिलीज हो रही है। इस फिल्म में कन्नड़ स्टार श्रीमुरली अहम भूमिका में नजर आएंगे।

बुधवार को होम्बले फिल्म्स ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर बघीरा के नए पोस्टर के साथ रिलीज डेट का एलान किया। पोस्टर में भारी बारिश में एक मास्क की झलक दिखाई है, साथ फिल्म की रिलीज डेट भी मेंशन किया गया है। इस पोस्टर को साझा करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है, न्याय की तलाश शुरू। बघीरा 31 अक्टूबर को सिनेमाघरों में धूम मचाएगी।

होम्बले फिल्म्स की निर्मित यह फिल्म, जिस पर श्रीइमुरली ने मई 2022 में काम करना शुरू किया था, 31 अक्टूबर को सिनेमाघरों में आ रही है। कुछ दिन पहले, फिल्म की तारीख को लेकर काफी चर्चा हुई थी कि किच्चा सुदीप की मैक्स की संभावित रिलीज डेट क्या हो सकती है। ध्रुव सरजा की मार्टिन 11 अक्टूबर और शिवराजकुमार की भैरथी रानागल 15 नवंबर को रिलीज होने वाली है, ऐसे में उपेंद्र दिवाली पर फिल्म रिलीज करने की सोच रहे थे, जबकि मैक्स की रिलीज डेट पर काफी समय से अनिश्चितता बनी हुई है।

बघीरा, प्रशांत नील की कहानी है जिसका निर्देशन डॉ। सूरी कर रहे हैं, जिन्होंने कई साल पहले यश के साथ लकी बनाई थी। श्रीमुराली एक टफ पुलिस वाले अवतार में दिखाई देंगे। एक्टर की जोड़ी सप्त सागरदाचे एलो फेम एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत के साथ बनाई गई है। रुक्मिणी की दो बैक-टू-बैक फिल्में बघीरा और भैरथी रानागल रिलीज होंगी। बघीरा को केजीएफ और सलार पार्ट वन-सीजफायर के निर्देशक प्रशांत नील ने लिखा है।

बिग बॉस में नायरा बनर्जी!

बिग बॉस 18 में अभिनेत्री नायरा बनर्जी की एंट्री हो गई है। अभिनेत्री तेलुगु, तमिल और कन्नड़ फिल्मों के अलावा दिव्य दृष्टि और जबान संभाल के जैसे टेलीविजन शो में दिखाई दी हैं। बता दें कि अभिनेत्री ने कहा था कि लोगों को लगता है कि सिर्फ चिल्लाने और लडने् से ही कंटेंट बनता है या व्यक्तित्व दिखता है। मैं उस अवधारणा में विश्वास नहीं करती। मुझे लगता है कि आपका असली व्यक्तित्व वह है जहां प्यार और करुणा के साथ आप कई स्थितियों को भी सुलझा सकते हैं और फिर भी अपनी बात पर अड़े रह सकते हैं और अपनी राय रख सकते हैं। और यही मेरी कोशिश होगी।

अपनी रणनीति के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि रणनीतियां पूरी होंगी या काम करेंगी या नहीं। इसलिए बेहतर है कि आप बिना रणनीति बनाए ही आगे बढ़ें। वहीं, आपकी मनःस्थिति, आपकी सूझबूझ आपको सही रास्ता दिखाएगी और आपको सही काम करने के लिए प्रेरित करेगी। ऐसा मेरा विश्वास है। रियलिटी शो कंटेंट के स्क्रिप्टेड होने के आरोप लगे हैं। लेकिन, अभिनेत्री को लगता है कि इस तरह के आरोप बेबुनियाद हैं। उन्होंने बताया कि बिग बॉस के घर में व्यक्ति की भावनाओं को ज्यादा दिखाया जाता है। उन्होंने कहा, अगर आपकी भावनाओं में ज्यादा संवेदनाएं हैं, तो वह दिखाई देंगी। अगर आपकी भावनाओं में ज्यादा आक्रामकता है, तो वह दिखाई देगी। आपका असली व्यक्तित्व दिखाई देगा। मुझे नहीं पता कि शो स्क्रिप्टेड है या नहीं।

ऑल ब्लैक आउटफिट पहन नेहा धूपिया दिखीं गॉर्जियस

बॉलीवुड एक्ट्रेस नेहा धूपिया इन दिनों भले ही फिल्म इंडस्ट्री से दूर हैं, लेकिन वो आए दिन अपनी हॉट और ग्लैमरस तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। ये ही नहीं एक्ट्रेस जब भी कही पर जाती हैं तो पैपराजी की निगाहें उन पर से हटने का नाम नहीं लेती हैं। अब हाल ही में नेहा धूपिया अपने बेटे को लेकर कही पर जा रही थी। इस दौरान वो अपने बेटे को पैपराजी की नजरों से बचाती हुई नजर आईं।

एक्ट्रेस नेहा धूपिया आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी अदाकारी से लोगों को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं।

वो हमेशा अपने स्टाइलिश फैशन स्टेटमेंट्स के कराण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। अब हाल ही में पैपराजी ने उन्हें कही पर जाते हुए स्पॉट किया। इस दौरान एक्ट्रेस ने ऑल ब्लैक कलर का आउटफिट पहना हुआ था। आखों में सनग्लासेस और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

खुले बाल, नो मेकअप लुक और हाथों में डियॉर का बैग पकडक़र एक्ट्रेस बेहद ही खूबसूरत लुक में नजर आईं। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस नेहा धूपिया अपने बेटे को पैपराजी के कैमरे से बचाती हुई दिखाई दे रही हैं।

बता दें एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है। वो आए दिन अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़े अपडेट्स भी पहन कर शेयर करती रहती हैं।

लोग मुझे बिग बॉस में देखेंगे तो वे मेरे बारे में जानने के लिए उत्सुक होंगे:चुम दरांग

बिग बॉस 18 के कंटेस्टेंट और गंगूबाई काठियावाड़ी और बधाई दो जैसी फिल्मों की एक्टर चुम दरांग ने लेखकों को अपनी सलाह दी है। उन्होंने इस बात पर चर्चा की है कि किस तरह पूर्वोत्तर राज्यों के लोगों की प्रतिभा को निखारा जा सकता है।

पूर्वोत्तर की प्रतिभाओं को बॉलीवुड में अधिक भूमिकाएं मिलने के बारे में चुम ने कहा, इसके लिए लेखकों को अधिक मेहनत करनी होगी, कुछ किरदार बदलने होंगे और फिर पूर्वोत्तर के लोगों के लिए अधिक लिखना होगा। मुझे लगता है कि चीजें वैसे भी बदल रही हैं।

सलमान खान द्वारा होस्ट किए जाने वाले बिग बॉस जैसे रियलिटी शो में उन्हें क्या प्रेरणा मिली? इस बारे में उन्होंने कहा, बिग बॉस एक ऐसा शो है जिसे लोग देखते हैं। यह एक बहुत बड़ा शो है। मेरे शो में आने से लोग मेरे गृह राज्य अरुणाचल प्रदेश के बारे में अच्छे तरीके जान जाएंगे। यहां आकर लोगों को अपने गृह राज्य के बारे में बताना शानदार तरीका होगा।

उन्होंने आगे कहा, मेरा उद्देश्य है कि अगर लोग मुझे शो में देखेंगे तो वे मेरे बारे में जानने के लिए उत्सुक होंगे। मेरा यही उद्देश्य है कि भारत के पूर्व में अरुणाचल प्रदेश नाम की एक बेहद खूबसूरत जगह है, जहां भारत में सबसे पहले सूरज उगता है। मैं चाहती हूं कि लोग इसके बारे में जानें। इससे बड़ी बात और क्या हो सकती है। लोग मेरे और मेरे गृह राज्य के बारे में और जानना चाहते थे।

कई सौंदर्य प्रतियोगिता जीतने वाली चुम खुद को मजेदार और थोड़ा चिड़चिड़ा बताती हैं।

उन्होंने कहा, इसके लिए आपको मुझे देखना होगा। हाउस के अंदर मेरी यात्रा को देखना होगा। मुझे लगता है कि एक व्यक्ति के रूप में मैं मिलनसार हूं, मैं मजेदार हूं। कभी-कभी मैं थोड़ी चिड़चिड़ी हो जाती हूं, लेकिन मुझे लगता है कि मैं मजेदार हूं।

दो पत्ती का पहला गाना रांझणा जारी, कृति सैनन-शाहीर शेख की केमिस्ट्री ने जीता दिल

अभिनेत्री कृति सैनन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म दो पत्ती को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इस फिल्म के जरिए कृति बतौर निर्माता बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने जा रही हैं। दो पत्ती कृति के होम प्रोडक्शन ब्लू बटरफ्लाई फिल्म्स की पहली फिल्म है।इस फिल्म में दिग्गज अभिनेत्री काजोल भी मुख्य भूमिका में नजर आने वाली हैं।अब दो पत्ती का पहला गाना रांझणा रिलीज हो गया है, जिसे परम्परा टंडन ने अपनी आवाज दी है।

रांझणा के बोल कौसर मुनीर ने लिखे हैं। इस गाने में कृति नशे में धुत नजर आ रही हैं, वहीं शाहीर शेख संग उनकी कमेस्ट्री ने दिल जीत लिया है। दो पत्ती सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। फिल्म का प्रीमियर 25 अक्टूबर, 2024 से होने वाला है। इस फिल्म में कृति डबल रोल में नजर आएंगी।दो पत्ती के निर्देशन की कमान कनिका ढिल्लों ने संभाली है। फिल्म की कहानी भी इन्होंने ही लिखी है।

शशांक चतुर्वेदी द्वारा निर्देशित और कनिका ढिल्लों द्वारा लिखित फिल्म दो पत्ती में जुड़वा बहनों की एक पेचीदा कहानी दिखाई गई है, जिसमें रहस्य छिपे हैं और एक पुलिस हत्या के प्रयास के एक मामले में सच्चाई का पता लगाने के लिए तत्पर है। कृति सेनन और काजोल के अलावा इस फिल्म में शाहीर शेख, तन्वी आजमी और बृजेंद्र काला भी हैं।

फिल्म की कहानी में काजोल को एक पुलिस अधिकारी के रूप में दिखाया गया है जो बेपरवाह कृति सेनन से पूछताछ कर रही हैं।

काजोल कृति से एक रहस्य साझा करने का आग्रह करती हैं, लेकिन कृति सवाल को टाल देते हैं और जवाब देती हैं कि एक पुलिस अधिकारी के रूप में, रहस्य को सुलझाना काजोल का काम है। कहानी में एक मोड़ जोड़ते हुए, कृति की हमशक्ल सीन में दिखाई देती है। एक धमकी भरे लहजे में वह कहती है, तुम्हारी परेशानियां दोगुनी होने वाली हैं। यह समझने में दूसरी बार की ज़रूरत नहीं है कि कृति सनोन दो पत्ती में दोहरी भूमिका निभा रही हैं।

पार्टियां मुफ्त की रेवड़ी के नाम पर वोट लेती रहेंगी

अजीत द्विवेदी

देश में चुनाव का सीजन चल रहा है। लोकसभा चुनाव के बाद दो राज्यों के चुनाव हुए हैं और दो अन्य राज्यों में चुनाव की प्रक्रिया शुरू होने वाली है। अगर पूछा जाए कि इस साल के हर चुनाव का केंद्रीय मुद्दा क्या था तो जवाब होगा, मुफ्त की रेवड़ी। चुनाव में और भी बहुत सी चीजें होती हैं लेकिन मुख्य रूप से मुफ्त की रेवड़ी पर ही सभी पार्टियों ने चुनाव लड़ा। तभी जब दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने गर्व से कहा कि उन्होंने दिल्ली के लोगों को %छह मुफ्त की रेवड़ी' दी है और सातवीं रेवड़ी देने वाले हैं तो आश्चर्य नहीं हुआ। आखिर मुफ्त की रेवड़ी के आधुनिक संस्करण के जनक केजरीवाल ही हैं। इसलिए अगर वे इस पर गर्व कर रहे हैं और प्रधानमंत्री की ओर से बोले गए इस जुमले को तमगा बना कर सीने पर टांक रहे हैं तो उस पर क्या हैरान होना?

केजरीवाल ने अपने को और अधिक एक्सपोज करते हुए कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए भी प्रचार करने को तैयार हैं अगर वे एनडीए के शासन वाले 22 राज्यों में बिजली फ्री कर दें। सोचें, कैसी वैचारिक, नैतिक और राजनीतिक गिरावट है? जिस भाजपा और नरेंद्र मोदी को केजरीवाल, उनकी पार्टी और उनका पूरा गठबंधन संविधान के लिए, देश के लिए और समाज के लिए खराब मानता है उनके लिए भी सिर्फ बिजली फ्री होने पर प्रचार किया जा सकता है! क्या यही केजरीवाल की वैचारिक प्रतिबद्धता है कि बिजली फ्री हो जाए तो मोदी के लिए भी प्रचार करेंगे? क्या इसी आधार पर मोदी के खिलाफ लड़ेंगे?

सवाल है कि अगर मोदी की पार्टी ने दिल्ली में बिजली फ्री कर दी तो क्या करेंगे केजरीवाल? अगर मोदी ने बिजली के साथ साथ वो तमाम चीजें मुफ्त में देने की घोषणा कर दी, जो केजरीवाल की सरकार दे रही है तो क्या केजरीवाल दिल्ली की सत्ता छोड़ देंगे और मोदी के लिए प्रचार करेंगे? ऐसा तो कतई नहीं होगा क्योंकि मुख्यमंत्री की कुर्सी छोडने के अगले दिन से ही उनकी बेचैनी बढ़ी है और वे नवंबर में ही चुनाव कराने की चुनौती भाजपा को दे रहे हैं। फरवरी तक इंतजार करने का धीरज भी उनमें नहीं दिख रहा है!

इसलिए केजरीवाल की बातों पर हैरानी नहीं होती है। वे इस तरह की विरोधाभासी और बेतुकी बातें करते रहते हैं। हैरानी इस बात पर है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुफ्त की रेवड़ी का जुमला गढ़ा और इसका मजाक उड़ाया फिर भी उनकी पार्टी इसी की राजनीति कर रही है! उन्होंने कहा था कि मुफ्त की रेवड़ी की राजनीति से देश की अर्थव्यवस्था बरबाद हो जाएगी। लेकिन उनकी पार्टी अब इस राजनीति की चैंपियन बन गई है। भाजपा दूसरी सभी पार्टियों को इस राजनीति में पीछे छोड़ रही है। अभी झारखंड में हेमंत सोरेन की सरकार ने महिलाओं को नकद पैसे देने के लिए मुख्यमंत्री मइया सम्मान योजना शुरू की, जिसमें महिलाओं को हर महीने एक हजार रुपए दिए जा रहे हैं तो भाजपा ने गोगो दीदी योजना का ऐलान किया, जिसमें सरकार बनने पर हर महिला को हर महीने 21 सौ रुपए दिए जाएंगे।

यानी जितना हेमंत सरकार देगी उसका दोगुना। इसके अलावा भी भाजपा ने बहुत कुछ मुफ्त में देने का ऐलान किया है। उसने महाराष्ट्र में लडक़ी बहिन योजना शुरू की है, जिसमें हर महीने महिलाओं को डेढ़ हजार रुपए दिए जा रहे हैं। इस योजना के मद पर हर साल 46 हजार करोड़ रुपए खर्च होंगे। तभी पिछले दिनों केंद्रीय सडक़ परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि इस योजना पर सब्सिडी इतनी ज्यादा है कि बाकी योजनाओं की सब्सिडी का पैसा समय पर दिया जा सकेगा या नहीं यह तय नहीं है।

इसका मतलब है कि मुफ्त की रेवड़ी वाली योजनाओं से सभी सरकारों का बजट प्रभावित हो रहा है इसके बावजूद सभी पार्टियों में होड़ मची है। पार्टियों के नेता गर्व से कह रहे हैं कि उन्होंने छह मुफ्त की रेवड़ी दी है और सातवीं देंगे। हैरानी नहीं होगी, अगर आम आदमी पार्टी के मुकाबले में भाजपा की ओर से आठ वस्तुएं या सेवाएं मुफ्त में देने का वादा किया जाए। यह होड़ ऐसी है कि झारखंड में भाजपा ने महिलाओं को 21 सौ रुपए हर महीने देने का ऐलान किया तो सत्तारूढ़ जेएमएम ने कहा है कि अगली सरकार बनी तो वह एक हजार रुपए की राशि को बढ़ा कर ढाई हजार कर देगी।

सोचें, पार्टियां राजस्व का स्रोत नहीं बता रही हैं। राजस्व बढ़ाने के उपायों की चर्चा नहीं हो रही है। बुनियादी ढांचे के विकास पर बात नहीं हो रही है। देश और राज्य के संरचनात्मक विकास की चर्चा नहीं हो रही है। लोगों के जीवन में गुणात्मक बदलाव लाने की बातें नेपथ्य में चली गई हैं। अब सिर्फ मुफ्त की रेवड़ी की बात हो रही है। चुनाव जीतने के लिए ऐसे ऐसे वादे किए जा रहे हैं, जिन्हें पूरा करने में राज्यों का वित्तीय ढांचा चरमरा रहा है। सरकारों के पास वेतन और पेंशन देने के पैसे पूरे नहीं हो रहे हैं। सरकारें तय सीमा से कहीं ज्यादा कर्ज ले चुकी हैं और उनके राजस्व का बड़ा हिस्सा कर्ज का ब्याज चुकाने में जा रहा है। लेकिन पार्टियों को इसकी परवाह नहीं है। उनको किसी तरह से सत्ता में आना है, उसके बाद चाहे जो हो। चुनाव जीतना राजनीति का परम लक्ष्य हो गया है। पार्टियां और उसके नेता सोच नहीं रहे हैं कि उनकी यह राजनीति एक दिन देश की पूरी अर्थव्यवस्था को मलबे के ढेर में बदल देगी।

पार्टियों का सत्ता का अंध मोह तो समझ में आता है। उनके लिए सत्ता सर्वोपरि है और वे इसके लिए ही राजनीति करती हैं। लेकिन ज्यादा हैरानी आम नागरिकों की सोच को लेकर हो रही है। बुनियादी ढांचे का विकास नहीं होने, शिक्षा व स्वास्थ्य की व्यवस्था बेहतर नहीं होने, रोजगार की जरुरत पूरी नहीं होने और भयंकर महंगाई व गरीबी के बावजूद वे मुफ्त की रेवड़ी के जाल में फंसे हैं। उनको समझ में नहीं आ रहा है कि सरकारें उनका खून चूस रही हैं। जिस तरह से स्वच्छैक रक्तदान करने पर स्वंयसेवी संस्थाएं और अस्पताल वाले रक्तदान करने वाले को जूस का एक ट्रेटा पैक देते हैं।

उसी तरह सरकारें अलग अलग किस्म के टैक्स के जरिए जनता की जेब खाली कर रही हैं यानी उनका खून निकाल रही हैं और बदले में जूस का एक टेट्रा पैक यानी मुफ्त की रेवड़ी दे रही हैं। रक्तदान के बाद तो फिर शरीर में खून बन जाता है लेकिन ऐसे ही लोगों की कमाई नहीं बढ़ रही है। जब तक लोग अपने व्यापक और दूरगामी हितों को देख कर मतदान नहीं करेंगे तब तक पार्टियां मुफ्त की रेवड़ी के नाम पर उनका वोट लेती रहेंगी और उनका शोषण करती रहेंगी।

गडकरी का साहस दिखाना प्रशंसनीय

रेवडियां दूसरी सब्सिडियों के भुगतान में रुकावट की शर्त पर ही बांटी जा सकती हैं। बल्कि कहा यह जाएगा कि इन पर अमल समाज की जड़ों को मजबूत करने वाली और मानव विकास का आधार बनने वाली योजनाओं की कीमत पर ही होता है।

भाजपा की अंदरूनी सियासी समीकरण वाले एंगल में सिर खपाने से बच सकें, तो केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने जो कहा है, उसकी अहमियत बेहतर ढंग से समझ आ सकती है। गडकरी ने महाराष्ट्र में अपनी ही पार्टी की गठबंधन सरकार की नई घोषित लडक़ी बहिन योजना पर सवाल उठाए हैं। यह सच बयान किया है कि इस योजना पर अमल दूसरी सब्सिडी में कटौती की शर्त पर ही संभव है। इस योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर सभी महिलाओं को 1,500 रुपये हर महीने दिए जाएंगे। इसका लाभ ढाई करोड़ महिलाओं को मिलेगा। इससे राज्य के खजाने पर 46 हजार करोड़ रुपये का नया सालाना बोझ आएगा। लोकसभा चुनाव में मिली हार के बाद एकनाथ शिंदे सरकार ने कुछ ऐसी नई घोषणाएं कीं, जिन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शब्दों में रेवड़ी कहा जाएगा। शिंदे ने आर्थिक रूप से कमजोर हर परिवार को हर साल तीन गैस सिलिंडर मुफ्त देने, किसानों को प्रति पांच हेक्टयर जमीन पर पांच हजार रुपये बोनस देने, और उनके बिजली बिल माफ करने की घोषणा भी की है। इन सबका अतिरिक्त बोझ खजाने पर आएगा।

गडकरी की टिप्पणी गौरतलब है कि ऐसी योजनाओं पर अमल दूसरी सब्सिडियों के भुगतान में रुकावट की शर्त पर ही संभव है। बल्कि कहा यह जाएगा कि इन पर अमल समाज की जड़ों को मजबूत करने वाली और मानव विकास का आधार बनने वाली योजनाओं की कीमत पर ही होता है। मगर इस नव-उदारवादी दौर में जन-कल्याण का मतलब ऐसी योजनाओं का बढ़-चढ़ कर एलान हो गया है, जिस होड़ सभी पार्टियां शामिल हो चुकी हैं। सीधे और सरल शब्दों में इसे वोट खरीदने की होड़' कहा जा सकता है। इस चलन का विरोध धारा के खिलाफ बोलना माना जाता है, जिसका साहस राजनेता नहीं दिखा पाते। महाराष्ट्र में चुनावी सरगर्मियां शुरू हो चुकी हैं और उसके बीच गडकरी का यह साहस दिखाना प्रशंसनीय है। ऐसी बातों से यह रुझान थमेगा तो नहीं- फिर भी लोगों को सच बताने का अपना महत्त्व है। यह बात अवश्य बताई जानी चाहिए बांटी जा रही रेवडियां समाज के दीर्घकालिक विकास की कीमत पर हैं।(आरएनएस)

सू- दोकू क्र. 104

	1			4			7	
		6	9		2			1
	7			6		8		2
1							8	
	8			5		2		3
3		2			4		1	
	3		2			4		
		8		1	6			7
9			4				2	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 103 का हल

3	9	6	8	2	5	4	7	1
8	2	5	1	7	4	6	3	9
7	1	4	6	9	3		2	5
1	8	9	3	6	7	2	5	4
2	6	7	5	4	8	1	9	3
5	4	3	9	1	2	7	8	6
6	7	2	4	3	9	5	1	8
9	5	1	7	8	6	3	4	2
4	3	8	2	5	1	9	6	7

क्वॉड के गठन का प्रस्ताव

दुनिया क्वॉड को इसी रूप में जानती है कि यह इस समय अमेरिका की तरफ से चीन को घेरने के लिए बनाए जा रहे अनेक समूहों में से एक है। इसलिए इशिबा ने जो कहा, उससे भारत के अलावा किसी को परेशानी नहीं हुई है।

जापान के नए प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा चीन के प्रति सख्त रुख के लिए जाने जाते हैं। प्रधानमंत्री बनते ही उन्होंने अपनी विदेश संबंधी प्राथमिकताएं वॉशिंगटन स्थित थिंक टैंक- हडसन इंस्टिट्यूट द्वारा प्रकाशित एक लेख में बताई। इसमें उन्होंने चीन का मुकाबला करने के लिए एशियाई नाटो बनाने का आह्वान किया। इशिबा ने कहा कि एशियाई नाटो बनाने की जरूरत इस तथ्य से उपजी है कि अमेरिका की ताकत में तुलनात्मक कमी आई है। तो उन्होंने सुझाव दिया कि चार देशों- अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान और भारत- के समूह क्वॉड को एशियाई नाटो की भूमिका ग्रहण करनी चाहिए।

इस बयान से भारत असहज हुआ है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इस पर कहा कि भारत एशियाई नाटो का समर्थन नहीं करता। वॉशिंगटन में एक कार्यक्रम के दौरान जयशंकर ने स्पष्ट किया कि भारत जापान की तरह सैन्य गठबंधनों पर निर्भर नहीं है और क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए उसकी अपनी अलग रणनीति है। कहा- हम वैसे किसी रणनीतिक ढांचे के बारे में नहीं सोच रहे हैं।

क्वॉड के गठन का प्रस्ताव मनमोहन सिंह सरकार के जमाने में ही आया था। लेकिन भारत ने ऐसे किसी समूह में शामिल होने से इनकार किया, जिसकी स्पष्ट पहचान किसी अन्य देश (यानी चीन) के विरुद्ध हो। नरेंद्र मोदी सरकार ने इस नीति को बदल कर क्वॉड का सदस्य बनने का निर्णय लिया। लेकिन तब से वह यह कहने में काफी ऊर्जा लगाती रही है कि यह समूह किसी देश के खिलाफ नहीं है, बल्कि इसका सकारात्मक एजेंडा है। कोरोना महामारी के दौर में ऐसा एजेंडा दिखाने के लिए वैक्सीन सहयोग की बात प्रचारित की गई।

लेकिन बाकी तीन देशों की ऐसी कोशिश नहीं रही है। दुनिया क्वॉड को इसी रूप में जानती है कि यह इस समय अमेरिका की तरफ से चीन को घेरने के लिए बनाए जा रहे अनेक समूहों में से एक है। इसलिए इशिबा ने जो कहा, उससे भारत के अलावा किसी को परेशानी नहीं हुई है। बल्कि सवाल यह उठा है कि भारत ने खुद को अमेरिका की एशिया-प्रशांत रणनीति से संबंधित किया है, तो फिर यह कहने से उसे गुरेज क्यों है?(आरएनएस)

केदारनाथः किसी के लिए राह आसान नहीं

कांग्रेस आंतरिक कलह का शिकार

विशेष संवाददाता

देहरादून। केदारनाथ उपचुनाव को लेकर भले ही भाजपा और कांग्रेस के नेताओं द्वारा कुछ भी दावे किए जा रहे हो लेकिन जहां भाजपा में टिकट के लिए मारकाट मची है वहीं कांग्रेस की आंतरिक गुटबाजी एक बार फिर खुलकर सामने आने लगी है।

केदारनाथ की इस विधानसभा सीट की जीत हार का भले ही भाजपा की राज्य सरकार पर कोई प्रभाव न पड़े लेकिन मंगलौर और बद्रीनाथ सीट के उप चुनाव हारने के बाद मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व पर गंभीर प्रभाव जरुर पड़ेगा। क्योंकि लोकसभा में अयोध्या सीट पर और बद्रीनाथ सीट पर हार के बाद भाजपा का जो धार्मिक चुनावी एजेंडा फेल बताए जाने लगा है अगर भाजपा केदारनाथ सीट भी हारती है तो इसका मैसेज और अधिक पुख्ता हो जाएगा। तथा लगातार तीन सीटों पर हार मुख्यमंत्री धामी को मुश्किल में डाल सकती हैं। यही कारण है कि भाजपा ने इस चुनाव में केंद्रीय मंत्रियों से लेकर अपनी पूरी ताकत झोंक दी है मगर उसे उम्मीदवारों की लंबी सूची ने मुश्किल में डाल दिया है। स्थिति एक अनार सौ बीमार वाली है अनार किसी को भी मिले लेकिन इसके बाद कितने और बीमार हो जाएंगे। कई दावेदार तो ऐसे हैं कि उन्हें टिकट न मिला तब भी चुनाव मैदान में जाने को तैयार बैठे हैं। जो नहीं जाएंगे वह पार्टी को दूसरी तरह से नुकसान पहुंचा सकते हैं। कांग्रेस का हाल अब यहां भी हरियाणा जैसा ही दिख रहा है। प्रदेश प्रभारी शैलजा दिल्ली में बैठी है यहां कांग्रेस नेता अपनी अपनी मूंछ की लड़ाई पर उतर आए हैं करन माहरा से जब केदारनाथ जाने की बात कही गई तो वह कहते हैं वहां गणेश गोदियाल ने मोर्चा संभाल रखा है उनकी कोई जरूरत नहीं है अगर जरूरत होगी और उनसे कहा जाएगा तो जरूर जाएंगे। कांग्रेस जिसके बारे में कहा जाता है कि उसे कोई हरा नहीं सकता। कांग्रेस ही कांग्रेस को हरा सकती है अगर हालात यही रहे तो यहां कांग्रेस ही कांग्रेस को हराएगी यह अभी से दिख रहा है। केदारनाथ की राह भाजपा व कांग्रेस किसी के लिए भी आसान नहीं दिख रही है।

❑भाजपा में टिकट को लेकर मार-काट

राइका मालदेवता में 24 अक्टूबर को होगा बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल की अध्यक्षता में दिनाक 24 अक्टूबर 2024 को रा. इ. का. मालदेवता में बहुउद्देशीय शिविर आयोजित की जा रही हैं।

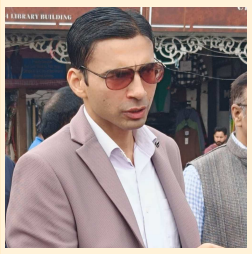

आयोजित शिविर में रेखीय विभाग स्टॉल लगाकर जनमानस को सरकारी योजनाओं से लाभान्वित करेंगे। साथ हो विधवा पेंशन, किसान पेंशन, वृद्धा पेंशन का निराकरण, दिव्यांग प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, वोटर कार्ड बनाए जायेंगे। कृषक अपकरण, स्वास्थ्य सम्बन्धित , बिजली, भूमि, वन, पानी, सिचाई से सम्बन्धित, तहसील विरासत हिस्सा प्रमाण, निवास, जाति प्रमाण पत्र आदि बनाए जाएंगे तथा अन्य कार्य /जन शिकायतो को निस्तारण किया जायेगा। जिलाधिकारी ने सभी रेखीय विभाग के संबंधित अधिकारी को अपने विभाग से संबंधित संचालित योजना से संबंधित सुविधा मुहैया कराने तथा पूरी जानकारी के साथ बहुउद्देशीय शिविर में प्रतिभाग करने के आवश्यक दिशा निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने क्षेत्रीय जनमानस से संचालित विभिन्न सरकारी योजना का लाभ प्राप्त करने एवं अपनी समस्या का निराकरण करने हेतु आयोजित शिविर में प्रतिभाग करने की अपील की।

जेल से फरार कैदियों का 12 दिनों बाद भी नहीं लग सका सुराग

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। रोशनाबाद जेल से 11 अक्टूबर की रात फरार हुए दो कैदियों का 12 दिनो बाद भी पुलिस सुराग लगाने में नाकाम रही है। हालांकि इस दौरान पुलिस ने उनको फरार होने के बाद आश्रय देने व सहायता करने के आरोप में कुछ लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गौरतलब है कि त्यौहारी सीजन में रोशनाबाद जेल में रामलीला का मंचन किया जा रहा था। दशहरे से एक दिन पूर्व रामलीला के दौरान आजीवन कारावास की सजा काट रहा प्रवीण वाल्मिकी गैंग का शूटर पकंज और अपहरण फिरौती का आरोपी रामकुमार जेल से सीढी के जरिए दीवार फांदकर फरार हो गये थे। मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस के आलाधिकारियों ने दोनो की खोजबीन हेतू दस टीमे लगायी गयी और एसआईटी का भी गठन किया गया। यह सभी टीमें तब से दोनो कैदियों की खोजबीन में जुटी हुई है। लेकिन 12 दिन बीत जाने के बावजूद पुलिस अब तक खाली हाथ टहल रही है। वहीं जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि दोनो कैदियों के फरार होने के बाद कुछ लोगों द्वारा उनकी मदद की गयी थी जिन्हे पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

मातृ मृत्यु दर कम करने के लिए आरम्भ होगा पायलट प्रोजेक्टः रतूड़ी

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव श्रीमती रतूड़ी ने राज्य में मातृ मृत्यु दर को कम करने की पहल के रूप में हरिद्वार में एक पायलट प्रोजेक्ट तत्काल आरम्भ करने के निर्देश दिए हैं।

आज यहां मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी की अध्यक्षता में उत्तराखण्ड स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण समिति की 12वीं गवर्निंग बॉडी की बैठक आयोजित की गयी। कोरोना काल में बड़ी संख्या में स्थापित ऑक्सीजन प्लान्ट के सदुपयोग तथा राज्य में सुरक्षित चारधाम यात्रा एवं पर्यटन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग को आदि कैलाश, केदारनाथ सहित सभी हाई एल्टीट्यूड वाले धामों, पर्यटक स्थलों, होटलों व धर्मशालाओं पर पर्याप्त संख्या में ऑक्सीजन कंसंट्रेटर रखने के निर्देश दिए हैं। राज्य में मातृ मृत्यु दर को कम करने की पहल के रूप में मुख्य सचिव श्रीमती रतूड़ी ने हरिद्वार में एक पायलट प्रोजेक्ट तत्काल आरम्भ करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने मातृ मृत्यु दर को कम करने के लिए मेटरनल डेथ ऑडिट को अनिवार्य करने तथा स्वास्थ्य विभाग तथा एनएचएम के मध्य प्रभावी समन्वय के निर्देश दिए हैं। राज्य को 2025 तक टीबी मुक्त करने के लक्ष्य को समय से पूरा करने के दृष्टिगत मुख्य सचिव ने टीबी बाहुल्य वाले क्षेत्रों का चिन्हीकरण कर वहां पर विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। सचिवालय में उत्तराखण्ड स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण समिति की 12वीं गवर्निंग बॉडी की बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने अधिकारियों को हिदायत दी है कि राज्य में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के क्षेत्र में अत्यधिक भवनों व इन्फ्रास्ट्रक्चर निर्माण की अपेक्षा मेडिकल सेवाओं व मानव संसाधन के सुधार पर विशेष फोकस किया जाना चाहिए। मुख्य सचिव ने राज्य में ग्रासरूट लेवल पर हेल्थ लिटरेसी बढ़ाने के भी निर्देश दिए हैं। बैठक में मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सल्ट व चौखुटिया में सेन्ट्रल आक्सीजन पाईप लाइन एवं मैनीफोल्ड, आक्सीजन प्लांट के विभिन्न कार्यों तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सहसपुर एवं डोईवाला में आक्सीजन प्लांट व शेड कार्यों की विभिन्न वित्तीय स्वीकृतियां प्रदान की। बैठक में सचिव धीराज गर्ब्याल, अपर सचिव श्रीमती स्वाति भदौरिया सहित स्वास्थ्य, चिकित्सा एवं परिवार कल्याण, वित्त, ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

राजनीतिक पार्टी के साथ खड़ी नहीं होगी मूल निवास, भू-कानून संघर्ष समिति

संवाददाता

देहरादून। मूल निवास, भू-कानून समन्वय संघर्ष समिति के संयोजक मोहित डिमरी ने कहा कि समिति किसी राजनीतिक पार्टी के साथ खडी नही होगी और 10 नवबंर को हरिद्वार में स्वाभिमान महारैली का आयोजन किया जा रहा है।

आज यहां परेड ग्राउंड स्थित एक क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए मूल निवास, भू-कानून समन्वय संघर्ष समिति के संयोजक मोहित डिमरी ने दो टूक शब्दों में कहा कि जनता द्वारा बनाई गई संघर्ष समिति राजनीतिक दलों के झंडे के नीचे मूल निवास और भू-कानून की लड़ाई में खड़ी नहीं होगी।

उन्होंने कहा कि राज्य बनने के 24 वर्षों में राजनीतिक दलों ने जनता को धोखा दिया है। अब जनता का इन पर भरोसा नहीं रहा। उन्होंने बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि सरकार ने भूमि से जुड़े काले कानूनों को रद्द नहीं किया तो संविधान दिवस के दिन यानी 26 नवंबर से शहीद स्मारक में भूख हड़ताल शुरू कर दी जाएगी।

मूल निवास, भू-कानून संघर्ष समिति के संयोजक मोहित डिमरी ने कहा कि 10 नवंबर को हरिद्वार में स्वाभिमान महारैली आयोजित की जा रही है। आज पहाड़ के साथ ही तराई क्षेत्रों में रह रहे मूल निवासियों के सामने अपने अस्तित्व को बचाने का संकट है। हरिद्वार की अपनी आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और आर्थिक पहचान है। स्वाभिमान यात्रा के जरिए गंगा, गन्ना और गुड़ को बचाने के लिए अभियान शुरू किया जाएगा।

सड़क निर्माण व नाले की समस्या को लेकर कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस प्रवक्ता अभिनव थापर के नेतृत्व में वार्ड 83, 84 के लोगों ने खतरनाक खाले पर पहुंचकर वहां पर प्रदर्शन कर धरना दिया।

आज कांग्रेस प्रवक्ता अभिनव थापर के 'भाजपा के 15 साल, देहरादून नगर निगम बेहाल' अभियान में देहरादून नगर निगम के धर्मपुर विधानसभा क्षेत्र के कुंज विहार व दुर्गा एनक्लेव - वार्ड 83 व वार्ड 84 की नाला, सड़क व सीवर की समस्याओं पर क्षेत्रीय जनता का समर्थन मिला। पिछले 15 सालों से भाजपा नगर निगम की अनदेखी से नाराज क्षेत्रवासियों ने आक्रोश में खतरनाक नाले के पास सरकार को जगाने के लिये धरना-प्रदर्शन किया। देहरादून नगर निगम के वार्ड 83 व वार्ड 84 कुंज विहार व दुर्गा एनक्लेव से जुड़े नाले के कारण दो मुख्य समस्याओं पर धरना दिया गया जिसमें नाले को कवर कर ढकना व नाली/सीवेज के अतिक्रमण को हटाना मुख्य समस्या है।

इस वर्ष मानसून में भी जलभराव के कारण कई एक्सीडेंट हुए और सीवर-लाइन और सड़क के विषय पर नगर निगम देहरादून ने पिछले 15 वर्षों से क्षेत्र की अनदेखी कर रखी है। थापर ने जनता की मांग पर धरने के बाद क्षेत्रीय परियोजना प्रबंधक जतिन सैनी से दूरभाष पर वार्ता करी और उन्होंने अब एक सप्ताह के अंदर सड़क का कार्य शुरू करने का आश्वासन दिया है। धरना प्रदर्शन में कांग्रेस प्रवक्ता अभिनव थापर, युवा कांग्रेस नेता नवीन रमोला, दीपा पांडेय, पूजा चौहान, माया क्षेत्री, रचना, सुनीता भंडारी, सविता भारद्वाज, बबिता भंडारी, रीमा पासवान, विनोद कुमार पांडेय, सुरेंद्र छेत्री, पुष्पा वाल्मीकि, श्रीनेत उपाध्याय, राम प्रसाद, सुमन उपाध्याय, ममता, पूजा रावत आदि ने भाग लिया।

एक नजर

इंडिगो-विस्तारा समेत कई फ्लाइट्स को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। इंडिगो, विस्तारा समेत कई विमानों को फिर बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इन दो एयरलाइंस के 10-10 विमानों में बम धमाके करने की चेतावनी दी है। इंडिगो एयरलाइंस को मंगलवार को 10 फ्लाइट्स पर नई सुरक्षा धमकियों का सामना करना पड़ा। इनमें ज्यादातर धमकियां उन विमानों में मिलीं जो कि इंटरनेशनल रूट पर थीं। ये घटनाएं कई फर्जी कॉल्स की वजह से हुईं, जिससे इस सप्ताह अब तक एयरलाइन को प्राप्त धमकी भरे कॉल्स की संख्या 100 से अधिक हो गई है। ताजा धमकियों में जेद्दाह, इस्तांबुल और रियाद जैसे प्रमुख गंतव्यों की फ्लाइट शामिल थीं।

इंडिगो ने सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए सभी यात्रियों को सुरक्षित रूप से उतारा और संबंधित अधिकारियों को अलर्ट किया। सूत्रों ने दावा किया कि इंडिगो के अलावा, 10 विस्तारा उड़ानों को भी सोमवार और मंगलवार के बीच सुरक्षा चेतावनी मिली है। इससे हवाई अड्डों और उड़ानों पर पूरी तरह से सुरक्षा जांच की गई है। बता दें कि सोमवार रात से मंगलवार दोपहर तक 30 फ्लाइट्स को धमकियां मिली हैं। इनमें 10 एयर इंडिया, 10 इंडिगो और 10 विस्तारा की फ्लाइट्स शामिल हैं। प्रभावित फ्लाइट में मंगलुरु से मुंबई जा रही फ्लाइट 6ई 164 भी शामिल थी, जिसे सिक्योरिटी अलर्ट मिला। यात्रियों को सुरक्षित उतारा गया और गहन सुरक्षा जांच की गई।

अनूप जलोटा ने सलमान को विश्नोई समाज से माफी मांगने की सलाह दी

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर सलमान खान को लगातार मिल रही धमकियों से खान परिवार बहुत परेशान हैं। घर के नजदीक आने- जाने वालों पर पैनी नजर रखी जा रही है। इसी बीच भजन सम्राट अनूप जलोटा का एक बयान चर्चा में आ गया है। जिसमें उन्होंने कहा है कि सलमान को माफी मांग लेनी चाहिए। जैसा कि

बिश्नोई समाज काफी समय से मांग कर रहा है। अनूप जलोटा ने आगे कहा, श्सलमान को जाना चाहिए और फिर सुरक्षित जीवन जीना चाहिए। यह समय मामले को उलझाने का नहीं है। उसने मारा हो या नहीं, सलमान को माफी मांगनी चाहिए। झगड़े में फंसने से किसी को कुछ हासिल नहीं होगा। अनूप जलोटा ने कहा, श्मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि यह समय यह सोचने का नहीं है कि किसने हत्या की और किसने नहीं। लोगों को यह समझना चाहिए कि सलमान के करीबी दोस्त बाबा सिद्दीकी की भी कथित तौर पर हत्या हुई थी। अब इस विवाद को सुलझाने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा सलमान ने वाकई काले हिरण को मारा है या नहीं। मेरी सलमान से एक छोटी सी गुजारिश है कि उन्हें मंदिर जाकर अपनी और अपने परिवार और करीबी दोस्तों की सुरक्षा के लिए माफी मांगनी चाहिए। मुझे यकीन है कि वह अपनी माफी स्वीकार कर लेंगे।

पुणे में आचार संहिता के बीच 5 करोड़ कैश जब्त

मुंबई। महाराष्ट्र में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए लागू आचार संहिता के बीच पुलिस ने बड़ा एक्शन लेते हुए एक कार से 5 करोड़ रुपए कैश बरामद किए हैं। शिवसेना-यूबीटी के नेता संजय राउत का दावा किया है कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे नेतृत्व वाली शिवसेना के एक विधायक की कार से कैश जब्त किया गया है। वहीं, शरद पवार के पोते रोहित पवार ने नोटों का वीडियो पोस्ट कर कहा- सत्ताधारी पार्टी के उम्मीदवारों को चुनाव

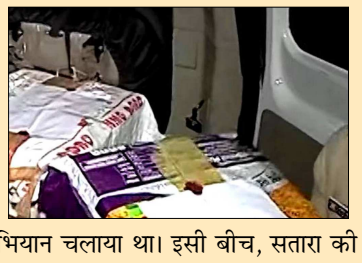

की पहली ष्इंस्टॉलमेंट के तौर पर 25-25 करोड़ रुपए दिए जाने की चर्चा है। ऐसे में 4 गाड़ियां कहां हैं? पुलिस के अधिकारी ने बताया कि सोमवार शाम को मुंबई-बेंगलुरु राजमार्ग पर खेड़ शिवपुर टोल प्लाजा के पास पुलिस ने तलाशी अभियान चलाया था। इसी बीच, सतारा की ओर जा रही एक इनोवा कार को जांच के लिए रोका गया। जब कार की तलाशी ली गई तो उसमें सवार 4 लोगों के पास से 5 करोड़ रुपए जब्त किए गए। घटना की सूचना मिलने के बाद आयकर विभाग के कर्मचारी भी वहां पहुंचे। पैसों की गिनती के बाद 5 करोड़ रुपए होने की पुष्टि हुई। शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने दावा किया कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की पार्टी शिवसेना के विधायक की गाड़ी से 15 करोड़ रुपए जब्त किए गए हैं। उन्होंने कहा कि पुणे में दो गाड़ियों से 15 करोड़ रुपए मिले हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विधायक के लोग गाड़ी में थे, लेकिन एक फोन कॉल के बाद गाड़ी को छोड़ दिया गया।

जनता को सुरक्षित व सुगम यातायात उपलब्ध करायें: धामी

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी न` अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि प्राथमिकता के आधार पर जनता को सुरक्षित और सुगम यातायात उपलब्ध कराया जाए।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सड़क गड्ढा मुक्त अभियान की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से अब तक पूर्ण हुए कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। सीएम आवास में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जहां-जहां सड़कों की मरम्मत का कार्य अभी तक पूरा नहीं हुआ है, उसे प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करते हुए जनता को सुरक्षित और सुगम यातायात उपलब्ध कराया जाए। निर्धारित समय सीमा में सड़कों की मरम्मत के कार्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश मुख्यमंत्री ने दिये हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि त्योहारों के दृष्टिगत राज्य के स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा दिया जाए। स्थानीय उत्पादों की बिक्री की समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए। उन्होंने प्रदेश की जनता से आह्वाहन किया है कि त्योहारों में स्थानीय उत्पादों की खरीद जरूर करें। इससे न केवल स्थानीय उद्यमियों और कारीगरों को समर्थन मिलेगा, बल्कि "वोकल फॉर लोकल" और "आत्मनिर्भर भारत" जैसे अभियानों को भी बल मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि त्योहारों के दृष्टिगत मिलावटखोरी से बचाव के लिए सघन चैंकिंग अभियान चलाया जाए। खाद्य पदार्थों की नियमित सैंपलिंग की जाए। यातायात व्यवस्था सुदृढ़ रखी जाए। यह सुनिश्चत किया जाए लोगों को आवाजाही में अनावश्यक परेशानी न हो। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर के. सुधांशु, सचिव शैलेश बगोली, विनय शंकर पाण्डेय, एडीजी ए. पी. अंशुमन, उपाध्यक्ष एमडीडीए बंशीधर तिवारी मौजूद थे।

लाखों की स्मैक सहित नेपाली मूल के दो तस्कर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। पहाड़ो में स्मैक तस्करी कर रहे नेपाली मूल के दो लोगों को पुलिस ने लाखों रूपये की स्मैक सहित गिरफ्तार कर लिया है। जिन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीती शाम थाना पुरोला पुलिस व एसओजी टीम को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ नशा तस्कर नशीले सामान की डिलीवरी हेतू आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान टीम को डामटा से 1 किमी आगे नैनबाग की तरफ पुलिया के पास दो संदिग्ध व्यक्ति आते हुए दिखायी दिये। टीम ने जब उन्हे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगे। इस पर उन्हे घेर कर रोका गया । तलाशी के दौरान उनके पास से 6.78 ग्राम स्मैक बरामद हुई।

पूछताछ में उन्होने अपना नाम राहुल बुढामगर पुत्र चन्द्र बहादुर निवासी वार्ड नं. 1 ग्राम आठ विस्को जिला रुकमा नेपाल, हाल निवास जगदीश होटल जानकीचट्टी बडकोट जनपद उत्तरकाशी व प्रकाश मगर पुत्र राम बहादुर निवासी ग्राम ढांग तहसील तुलसीपुर जिला गोराई नेपाल, हाल पता स्याना चट्टी थाना बडकोट जनपद उत्तरकाशी बताया।

पुलिस ने उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हे न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हे जेल भेज दिया गया है। बरामद स्मैक की कीमत 2 लाख 30 हजार रूपये बतायी जा रही है।

दुष्कर्म मामले में फरार चल रहा 5000 का ईनामी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। दुष्कर्म मामले में लगातार फरार चल रहे पांच हजार के ईनामी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी द्वारा पीड़िता का शादी का झांसा देकर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया गया था।

जानकारी के अनुसार बन्दरजूड बुग्गावाला निवासी पीड़िता द्वारा थाना बुग्गावाला में तहरीर देकर बताया गया था कि गुलशेर पुत्र भूरा निवासी शहजादपुर उर्फ ढालवाला मुजफराबाद थाना फतेहपुर जिला सहारनपुर द्वारा पीड़िता के साथ शादी का झांसा देकर शारीरिक सबंध बनाये गये थे व बाद मे आरोपी शादी करने से इन्कार करने लगा है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी गयी। लेकिन आरोपी पुलिस की पहुंच से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदलता रहा। जिस कारण एसएसपी हरिद्वार द्वारा आरोपी पर पांच हजार रूपये का ईनाम घोषित किया गया। इस दौरान पुलिस ने देर रात एक सूचना के आधार पर आरोपी गुलशेर को बुग्गावाला बिहारीगढ बॉर्डर आशीर्वाद वैडिंग प्वाईंट से दबोचने में कामयाबी हासिल की। आरोपी कहीं भागने की फिराक में था। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

अलग-अलग स्थानों से दो गिरफ्तार, दो तमंचे व दो कारतूस बरामद

हरिद्वार (हसं)। वारदात की फिराक में घूम रहे दो बदमाशो को पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से दो तमंचे व दो कारतूस बरामद किये गये है। जानकारी के अनुसार बीती रात कोतवाली लक्सर पुलिस की अलग-अलग टीमें गश्त पर थी। इस दौरान पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से दो लोगों को दो तमचे व कारतूसों के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में उन्होने अपना नाम रितिक पुत्र अनिल कुमार निवासी ग्राम मुण्डाखेड़ा खुर्द कोतवाली लक्सर जनपद हरिद्वार व जुबैर पुत्र अब्बास अन्सारी निवासी मुण्डाखेडा खुर्द थाना कोतवाली लक्सर जनपद हरिद्वार बताया। पुलिस ने उन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।